श्रीराम आरती अयोध्या

हे राजा राम तेरी आरती उतारूँ, आरती उतारूँ प्यारे तुमको मनाऊँ,
अवध बिहारी तेरी आरती उतारूँ, हे राजा राम तेरी आरती उतारूँ ॥

कनक सिहासन रजत जोड़ी, दशरथ नंदन जनक किशोरी,
युगल छबि को सदा निहारूँ, हे राजा राम तेरी आरती उतारूं ॥

बाम भाग शोभित जग जननी, चरण बिराजत है सुत अंजनी,
उन चरणों को सदा पखारू, हे राजा राम तेरी आरती उतारूं ॥

आरती हनुमत के मन भाए, राम कथा नित शिव जी गाए,
राम कथा हृदय में उतारू, हे राजा राम तेरी आरती उतारूं ॥

चरणों से निकली गंगा प्यारी, वंदन करती दुनिया सारी,
उन चरणों में शीश नवाऊँ, हे राजा राम तेरी आरती उतारूं ॥

हे राजा राम तेरी आरती उतारूं, आरती उतारूँ प्यारे तुमको मनाऊँ,
अवध बिहारी तेरी आरती उतारूँ, हे राजा राम तेरी आरती उतारूं ॥

All PDF Collection
PDF Seva

राम स्तुति पाने के लिए यहाँ क्लिक करे